

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुंद (छ. ग.)

समस्त विद्वज्जन, प्राध्यापक,
सहायक प्राध्यापक एवं
विद्यार्थीगण शासकीय महाप्रभु
वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर
महाविद्यालय महासमुंद के हिन्दी
विभाग द्वारा मुंशी प्रेमचंद जयंती
के उपलक्ष्य में एक दिवसीय
आनलाईन अंतरराष्ट्रीय वेबीनार
का आयोजन किया जा रहा है।
आप सभी कार्यक्रम में सादर
आमंत्रित है।

कृपया पंजीकरण हेतु निम्न लिंक का
उपयोग करें।

Registration - <https://forms.gle/VQeuo9DiUjeMABzY6>
Youtube - <https://youtu.be/avTvFCIIH80>
Google meet - <https://meet.google.com/vni-ssir-xhm>



मुंशी प्रेमचंद

(31 जुलाई 1880 - 8 अक्टूबर 1936)

विषय - मुंशी प्रेमचंद के साहित्य
का विहंगम अवलोकन

वेबीनार आयोजन समय

शनिवार 31 जुलाई 2021

समय अपराह्न 1 बजे से 3 बजे तक

सम्माननीय अतिथिगण



डॉ हरीपाल सिंह, डी लिट्, महामंत्री,
नागती लिपि परिषद्, नई दिल्ली



डॉ मीरा सिंह, फिलेडेलफिया,
अमेरिका



डॉ इन्द्रजीत सिंह सेवानिवृत्त प्राचार्य
केंद्रीय विद्यालय संगठन मार्लो, रूस



डॉ अनुसुइया अग्रवाल डी लिट्
संयोजक एवम् हिन्दी विभागाध्यक्ष
शास. महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नात.
महाविद्यालय महासमुंद (छ. ग.)



डॉ ज्योती पाण्डेय, डी लिट्,
संरक्षक एवम् प्राचार्य
शास. महाप्रभु वल्लभाचार्य
स्नात. महाविद्यालय महासमुंद
(छ. ग.)

आयोजक समिति :- डॉ. दुर्गावती भारतीय, भीमती

सीमारानी प्रधान

डॉ. जीवन शर्माकार एवम् समस्त स्नातकोत्तर छात्रगण

हिन्दी विभाग

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुन्द(छ.ग.) के हिन्दी विभाग के द्वारा मुंशी प्रेमचंद जयंती उपलक्ष्य में एक दिवसीय आनलाईन अंतरराष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन 31 जुलाई 2021 समय अपराह्न 1:00 बजे से
forms.gle

<https://forms.gle/VQeuo9DiUjeMABzY6>

विषय- मुंशी प्रेमचंद के साहित्य का विहंगम अवलोकन।

समस्त विद्वज्जन, प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक एवं विद्यार्थी गण... शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुन्द (छ.ग.) के हिन्दी विभाग द्वारा मुंशी प्रेमचंद जयंती के उपलक्ष्य में एक दिवसीय आनलाईन अंतरराष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन दिनांक 31/07/2021 समय अपराह्न 1.00 से 3.00 किया जा रहा है। आप सभी कार्यक्रम में सादर आमंत्रित हैं। कृपया पंजीकरण हेतु निम्न लिंक का उपयोग करें।

लिंक - <https://forms.gle/VQeuo9DiUjeMABzY6>

आप गूगल मीट एवम् यूट्यूब के माध्यम से भी इस उपयोगी कार्यक्रम का लाभ ले सकते हैं, लिंक निम्नानुसार है...

गूगल मीट - <https://meet.google.com/vni-ssir-xhm>

यूट्यूब - <https://youtu.be/avTvFCi1HH0>

नोट -1. गूगल मीट में 100 प्रतिभागी ही जुड़ सकते हैं।

2. पंजीकृत प्रति... Read more

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय, महासमुंद (छ.ग.)

मुंशी प्रेमचंद जयंती के उपलक्ष्य में ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय वेबीनार*

विषय- मुंशी प्रेमचंद के साहित्य का विहंगम अवलोकन

कार्यक्रम में जुड़ने हेतु लिंक

गूगल मीट-<https://meet.google.com/vni-ssir-xhm>.

यूट्यूब- <https://youtu.be/avTvFCi1HH0>

कार्यक्रम की रूपरेखा - 31 जुलाई 2021

दोपहर 12:40 -1:00 बजे तक ज्वाइनिंग

संचालन – श्रीमती सीमारानी प्रधान, सहायक प्राध्यापक, हिंदी

1:00 - 1:10 बजे तक - स्वागत भाषण एवम् विषय प्रवर्तन – प्रो. डॉ. अनुसुइया अग्रवाल डी लिट्, प्राध्यापक एवम् विभागाध्यक्ष, हिन्दी

1:15 - 1:20 बजे तक - अध्यक्षीय उद्बोधन एवं विषय वार्ता – डॉ. ज्योति पांडेय डी.लिट्, प्राचार्य शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय, महासमुन्द (छ.ग.)

1:20 -1:55 बजे तक - प्रेमचंद के साहित्य और सिनेमा –

डॉ इंद्रजीत सिंह

सेवानिवृत्त प्राचार्य

केंद्रीय विद्यालय संगठन मास्को, रूस

1:55 - 2:30 बजे तक - प्रेमचंद की पत्रकारिता डॉ. हरिपाल सिंह, डी.लिट, महामंत्री नागरी लिपि परिषद, नई दिल्ली

2:30 - 2:55 बजे तक - प्रेमचंद का औपन्यासिक संसार डॉ. मीरा सिंह

समीक्षक, संस्थापक, फिलाडेल्फिया, अमेरिका

2:55 - 3:00 बजे आभार ज्ञापन - डॉ. दुर्गावती भारतीय सहायक प्राध्यापक हिंदी..

:— धन्यवाद —:

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय
महासमुद्र (छ. ग.)

सामान्य विद्वान प्राध्यापक
सहायक प्राध्यापक एवं
विद्यापीठक शासकीय महाप्रभु
वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर
महाविद्यालय महासमुद्र के हिन्दी
विभाग द्वारा मुंशी प्रेमचंद जयन्ती
के उपलक्ष्य में एक द्विपक्षीय
आनलाइन अंतरराष्ट्रीय वेबीनार
का आयोजन किया जा रहा है।
आप सभी कार्यक्रम से बाहर
आमंत्रित हैं।

कृपया प्रतिक्रिया हेतु निम्न लिंक पर
प्रतिक्रिया दें।

आयोजित: 16/03/2024
समय: 10:00 AM
आयोजक: प्राध्यापक, हिन्दी विभाग



विषय: मुंशी प्रेमचंद के साहित्य
का विश्लेषण
विषय: अंतरराष्ट्रीय वेबीनार
समय: 10:00 AM - 12:00 PM



मुंशी प्रेमचंद के साहित्य का विहंगम
अवलोकन अंतरराष्ट्रीय वेबीनार

<https://forms.gle/VQeuo9DiUje...>

www.youtube.com

[https://www
.youtube.com/live
/avTvFCi1HH0
?feature=share](https://www.youtube.com/live/avTvFCi1HH0?feature=share)

उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद की जयंती पर हुआ अंतर्राष्ट्रीय वेबीनार

हरिभूमि न्यूज ►► महासमुंद

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुंद के हिन्दी विभाग द्वारा महान उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद की

जयंती 31 जुलाई के अवसर पर ऑनलाईन अंतर्राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। वेबीनार का विषय 'मुंशी प्रेमचंद के साहित्य का विहंगम अवलोकन' रखा गया था। इस महत्वपूर्ण विषय पर विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ. इंद्रजीत सिंह, सेवानिवृत्त प्राचार्य केन्द्रीय विद्यालय संगठन मास्को, रूस, डॉ. हरिसिंहपाल, डी.लिट् महामंत्री नागरी लिपि परिषद नई दिल्ली, डॉ. मीरासिंह समीक्षक संस्थापक अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी साहित्य प्रवाह फिलाडेल्फिया अमेरिका उपस्थित रहे।

प्राचार्य डॉ. ज्योति पाण्डेय ने कार्यक्रम की सफलता हेतु हिन्दी विभाग को दी। कार्यक्रम का प्रारंभ स्वागत एवं विषय प्रवेश के साथ

विभागाध्यक्ष डॉ. अनुसुइया अग्रवाल ने किया। डॉ. अग्रवाल ने विषय प्रवर्तन करते हुए कहा कि प्रेमचंद का रचना फलक इतना विस्तृत है कि उसे कुछ घण्टों में समेटना असंभव है। उनकी रचनाएं

मुंशी प्रेमचंद को उम्दा पत्रकार कहा। प्रेमचंद अपनी पत्रिका हंस में नवोदित साहित्यकारों की रचना को प्रकाशित कर उनका उत्साहवर्धन करते थे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती सीमारानी प्रधान, सहायक

प्राध्यापक हिन्दी ने किया। आभार ज्ञापन डॉ. दुर्गावती भारतीय सहायक प्राध्यापक हिन्दी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में महेश राजा, डॉ. रमेश कुमार देवांगन, डॉ. जया ठाकुर, डॉ. रीता पाण्डेय, डॉ. मालती तिवारी, प्रो. करुणा दुबे, प्रो. एम.एस. वर्मा, प्रो. सी.खलखो, डॉ. ई.पी.चेलक, प्रो. मनीराम धीवर, डॉ. वैशाली गौतम हिरवे, प्रो. अजय कुमार राजा, श्रीमती राजेश्वरी सोनी, डॉ. जीवन चन्द्राकर,

कार्यालय से राजेश शर्मा, एस.आर. मन्नाडे उपस्थित थे एवं एम.ए. हिन्दी के छात्र-छात्राओं के अलावा उत्तर प्रदेश, बिहार, गुजरात, हरियाणा, केरल, झारखंड, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, सिक्किम इत्यादि राज्यों से कुल 400 प्रतिभागी शोधार्थी, प्राध्यापक, साहित्यकार एवं विद्यार्थीगण सम्मिलित हुए।



उनके निजी अनुभव और संवेदना से गुंथे होने के कारण जीवंत हैं। डॉ. इंद्रजीत सिंह ने "प्रेमचन्द्र का साहित्य और सिनेमा" विषय पर विस्तार से बताया। मुंशी प्रेमचंद जी ने अभाव एवं आर्थिक कठिनाईयों से जूझते हुए हंसपत्रिका का सम्पादन किया। डॉ. हरिसिंह ने 'प्रेमचंद की पत्रकारिता' विषय पर